● सुनो, समझो और बोलो :

# ११. मित्रता

(खेल के मैदान में बातचीत करते हुए बच्चे ।)

**अर्नाल्ड** : नमस्ते ! मेरा नाम अर्नाल्ड है । मैं छतरी तालाब के सामने रहता हूँ ।

**तबस्सुम** : मित्रो ! मेरा नाम तबस्सुम है । मैं पाठशाला के समीप रहती हूँ ।

**क्षमा** : सुनो ! मैं क्षमा हूँ । बाजार के पास रहती हूँ ।

**विहंग** : नमस्ते ! मैं विहंग, बस स्टैंड के पीछे रहता हूँ ।

**अर्नाल्ड** : मेरे घर में दादा जी, माता जी, पिता जी और छोटी बहन हैं ।

**तबस्सुम** : मेरे घर में माता जी, पिता जी और बुआ जी रहती हैं । बुआ जी हमें ज्ञान-विज्ञान की रोचक कहानियाँ सुनाती हैं ।

**विहंग** : मेरे पिता जी वकील हैं । वे न्यायालय के किस्से सुनाते हैं ।

**अर्नाल्ड** : मेरी माता जी सरकारी अस्पताल में नर्स हैं । तुम्हारी माता जी क्या करती हैं ?

**क्षमा** : मेरी माता जी सरपंच हैं । कल मेरी बहन का जन्मदिन है, तुम सब जरूर आना ।

**तबस्सुम** : हाँ-हाँ, जरूर । मैं तुम्हारी मदद के लिए जरूर आऊँगी ।

**विहंग** : आज से हम सब अच्छे मित्र हैं ।

**संवाद सुनकर उचित जोड़ियाँ मिलाओ :**

१. छतरी तालाब के सामने रहता हूँ ।- तबस्सुम
२. रोचक कहानियाँ सुनाती हैं । - अर्नाल्ड
३. मेरे पिता जी वकील हैं । - क्षमा
४. मेरी माता जी सरपंच हैं । - विहंग

❑ विद्यार्थियों को सही उच्चारण के साथ संवाद सुनाएँ । उनको एक-दूसरे से प्रश्न पूछने और उत्तर देने के लिए कहें । उन्हें इसी प्रकार अपने पड़ोसी का परिचय देने के लिए प्रोत्साहित करें । इससे उनकी संभाषण क्षमता बढ़ेगी । अपने से बड़ों के लिए आदरसूचक शब्दों (आप, जी, हैं ) का प्रयोग समझाएँ और अभ्यास करवाएँ । संभाषण और लेखन में आदरसूचक शब्दों के उचित प्रयोग पर ध्यान दें ।